

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा- पंचम्

तिथि- 30.08.2021

विषय- संस्कृत

सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों ,

आज आप सब उत्तम पुरुष के बारे में समझेंगे।

संस्कृत

पाठः

एकादशः

उत्तम पुरुष

उत्तम पुरुष के कर्ता हमेशा वक्ता अर्थात् बात को कहने वाले होते हैं। यह तीनों वचनों में होते हैं तथा सभी लिंगों में समान रहते। वचनानुसार उत्तम पुरुष के कर्ता के साथ उत्तम पुरुष की ही क्रिया का प्रयोग होता है। उत्तम पुरुष में कर्ता एवं धातु के रूप निम्न प्रकार चलते हैं :-

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
कर्ता	अहम् (मैं)	आवाम् (हम दोनों)	वयम् (हम सब)
'अस्' धातु	अस्मि	स्वः	स्मः
अन्य धातुएँ	धातु + आमि	धातु + आवः	धातु + आमः

इस पाठ में हम उत्तम पुरुष के कर्ता एवं क्रियाओं के प्रयोग के बारे में पढ़ेंगे।

उदाहरण-



अहम् नरः अस्मि।



आवाम् नरौ स्वः।



वयम् नराः स्मः।



अहम् महिला अस्मि।



आवाम् महिले स्वः।



वयम् महिलाः स्मः।

अभ्यास

1. शुद्ध विकल्प चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

शुद्ध विकल्प चुनकर रिक्तस्थानों को पूरा कीजिए-

Choose the correct option and fill in the blanks.

- (i) पुरुष, एकवचन का कर्ता 'अहम्' होता है।
 (क) प्रथम (ख) मध्यम (ग) उत्तम
- (ii) स्त्रीलिंग या पुल्लिंग दोनों में ही उत्तम पुरुष का कर्ता और नहीं बदलते।
 (क) क्रिया (ख) वचन (ग) लिंग
- (iii) उत्तम पुरुष में कर्ता व क्रिया दोनों वचन के होते हैं।
 (क) समान (ख) विपरीत (ग) असमान
- (iv) 'वयम्' कर्ता के साथ प्रयोग की जाने वाली धातु में लगता है।
 (क) आमि (ख) आवः (ग) आमः

2. रञ्जितपदानि शुद्धानि कुरुत लिखत च-

रंगीन शब्दों को शुद्ध कीजिए और लिखिए-

Correct the coloured words and write.

- (i) वयं पुस्तकं पठामि।
- (ii) अहं चित्रं पश्यावः।
- (iii) आवां बालकौ अस्मि।
- (iv) अहं तत्र न कीडामः।
- (v) वयं देशम् रक्षामि।
- (vi) आवां कृषकौ स्मः।



3. उचितं कर्तृपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

उचित कर्ता पद चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए-

Choose the correct subject and fill in the blanks.

- (i) दृश्यं पश्यामः। (अहम् / वयम्)
- (ii) पुस्तकं पठावः। (वयम् / आवाम्)
- (iii) गुरुं नमामि। (अहम् / आवाम्)
- (iv) कन्दुकेन क्रीडामि। (आवाम् / अहम्)
- (v) तत्र कूर्दामः। (वयम् / आवाम्)

